# ***विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय***

***विषय-हिंदी*** ***दिनांक-29/06/2020***
***वर्ग-चतुर्थ*** ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
***पाठ-5 (चतुर टॉम)***

---

***सुप्रभात बच्चों,***

***पिछली कयी कक्षा से आप चतुर टॉम कहानी का अध्ययन कर रहें हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज आपको उसी कहानी का शेष भाग पढ़ना है। जो कि इस प्रकार है:—***

*अब टॉम की ख़ुशी का ठिकाना ना था। वह दौड़ा-दौड़ा पॉली मौसी के पास पहुँचा और उल्लास भरे स्वर में बोला- "अब तिग मैं खेलने जाऊँ न मौसी?"*
*"अरे, अभी से? पहके पुताई तो पूरी करो!"— मौसी ने कहा।*
*टॉम विजय-गर्व से भरकर बोला—"पिरी चहारदीवारी की पुताई हो गई मौसी।"*
*"क्यों झूठ बोलते हो, टॉम!" मौसी ने गुस्से से आँखें तरेरकर उसकी ओर देखा।*
*"झूठ नहीं बोल रहा हूँ मौसी, सच कह रहा हूँ। सचमुच पूरी चहारदीवारी पुट गई है।" और जब पॉली मौसी चहारदीवारी देखने गयीं, तो उनकी आँखें आश्चर्य के मारे खुली की खुली रह गयीं। सचमुच पूरी चहारदीवारी बहुत ही सुंदर ढंग से पुत गयी थी।*
*देखकर पॉली मौसी की आँखिं में एकाएक टॉम के लिए ममता का समुद्र उमड़ा। लाड़ से भरकर बोलीं—"अरे वाह टॉम, मैंने तो सोचा भी नहीं था! तुमने तो सारा काम इतनी जल्दी कर डाला और वह भी इतनी सफ़ाई से….! सचमुच मुझे आश्चर्य है!"*
*पॉली मौसी ने टॉम को एक बढ़िया-सा सेव भी दिया। और प्यार से उसकी पीठ थपथपाई। मज़े से सेव को कुतरता हुआ टॉम अब घर से निकल पड़ा था। वह सोच रहा था—"अरे वाह, आज कि दिन कितना अच्छा है!"*

---

***बच्चों, दी गयी अध्ययन सामग्री को पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।***

---

## ***गृहकार्य :—***

***पेज नं—31 में दिए गए अभ्यास का प्रश्न संख्या-3 को हल करें।***